SIS NEWSLETTER
Saturday, 07 December 2024, Volume - 126

NORTH : CENTRAL : SOUTH :

GOLD : 76655 SILVER : 92453 CRUD : 5724

भारत के कपास उद्योग को मजबूत करने के लिए सीएआई और सीसीआई ने मिलकर काम किया

भारत के कपास उद्योग को मजबूत करने के लिए सीएआई और सीसीआई ने मिलकर काम किया: सहयोग से बाजार में स्थिरता, गुणवत्ता और वैश्विक विकास को बढ़ावा मिला

सीएआई (कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया) और सीसीआई (कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) अक्सर भारतीय कपास उद्योग को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करते हैं। उनकी भागीदारी सरकार और निजी हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करती है, जिससे किसानों, व्यापारियों और निर्माताओं को समान रूप से लाभ होता है। यहां बताया गया है कि वे अपने प्रयासों को कैसे संरेखित करते हैं:

सहयोग क्षेत्र

• **बाजार स्थिरता :** सीसीआई कपास की कीमतों को स्थिर करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के माध्यम से बाजार में हस्तक्षेप करता है।सीएआई वास्तविक समय के बाजार डेटा, मूल्य रुझान और उत्पादन पूर्वानुमान प्रदान करता है जो सीसीआई को सूचित निर्णय लेने में मदद करता है।

• **नीति विकास :** सीएआई अपने सदस्यों-किसानों, जिनर्स और व्यापारियों से प्रतिक्रिया एकत्र करता है- और सीसीआई के साथ उद्योग की चिंताओं को साझा करता है।साथ में, वे ऐसी नीतियों की वकालत करते हैं जो उचित मूल्य निर्धारण, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता और बेहतर कपास की गुणवत्ता सुनिश्चित करती हैं।

COTTON ASSOCIATION OF INDIA
Established 1921

भा.क.नि.
CCI

• **गुणवत्ता सुधार पहल :** दोनों संगठन कपास की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए बेहतर कृषि पद्धतियों और उन्नत जिनिंग तकनीकों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देते हैं।वे संयुक्त रूप से संधारणीय और जैविक कपास उत्पादन को प्रोत्साहित करने के कार्यक्रमों का समर्थन करते हैं।

• **कपास व्यापार और निर्यात :** सीएआई निर्यात डेटा और अंतर्दृष्टि प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, ताकि सीसीआई को अपनी कपास बिक्री और निर्यात की रणनीति बनाने में मदद मिल सके।दोनों ही भारतीय कपास को वैश्विक बाजार में पसंदीदा विकल्प के रूप में स्थापित करने के लिए काम करते हैं।

• **विवाद समाधान और नेटवर्किंग :** सीएआई हितधारकों के बीच विवादों में मध्यस्थता करता है, जबकि सीसीआई आपूर्ति श्रृंखला में विश्वास बनाए रखने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है।

संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन, सेमिनार और व्यापार मेले उद्योग संबंधों को मजबूत करते हैं और भारतीय कपास को बढ़ावा देते हैं।
यह सहयोग क्यों मायने रखता है.उद्योग की चुनौतियों से निपटने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है।
किसानों, व्यापारियों और निर्माताओं के हितों को संतुलित करता है।एक अग्रणी कपास उत्पादक के रूप में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ावा देता है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates.
FOR MORE INFORMATION CONTACT - +91 - 91119 77775

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 07.12.2024			
ICE COTTON			
MONTH	02.12.24	06.12.24	WEEKLY CHANGE
MAR'25	71.93	71.49	-0.44
MAY'25	72.98	72.65	-0.33
JULY'25	73.93	73.57	-0.36
MCX (COTTON)			
JAN	55450	55630	180
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1525.5	1531	6
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2675	2734	59
JAN	2697	2763	66
FEB	2724	2790	66
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	84.70	84.69	-0.01
PAK (Pakistani Rupee)	277.706	277.964	0.258
CNY (Chinese yuan)	7.22736	7.27107	0.04371
BRAZIL (Real)	6.04101	6.09007	0.04906
AUSTRALIAN Dollar	1.53950	1.56446	0.02496
MALAYSIAN RINGGITS	4.45803	4.41905	-0.03898
COTLOOK "A" INDEX	82.25	81.35	-0.9
BRAZIL COTTON INDEX	66.41	67.43	1.02
USDA SPOT RATE	66.53	66.40	-0.13
MCX SPOT RATE	54460	54220	-240
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17400	17300	-100
GOLD ($)	2658.39	2654.90	-3.49
SILVER ($)	30.707	31.485	0.778
CRUDE ($)	68.66	67.17	-1.49

इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में मिलेजुले रुझान देखने को मिले।

जहां मार्च में 0.44 सेंट,मई में 0.33, और जुलाई में 0.36 सेंट की गिरावट दर्ज हुई।

वहीं भारतीय बाजार में MCX पर कॉटन के दामों में जनवरी माह में 180 रुपये की बढ़त दर्ज की गई।

NCDEX पर कपास के भाव 06 रुपये प्रति 20 किलो तक बड़े, वहीं खल के भाव में दिसंबर में 59 रुपये, जनवरी में 66 रुपये, और फरवरी में 66 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

दुसरे देशों के कॉटन मार्केट की बात करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट हुई, USDA स्पॉट रेट में 0.13 सेंट की गिरावट दर्ज हुई, MCX स्पॉट रेट में 240 रुपये प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली।

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91116 77771

DATE: 07.12.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	02-12-2024		07-12-2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5'670	5'680	5'620	5'630	-50
HARYANA	27.5/28	5'660	5'660	5'590	5'590	-70
UPPER RAJASTHAN	28	5'660	5'680	5'590	5'610	-70
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54'000	54'400	54'200	54'400	0
MADHYA PRADESH	29	54'200	54'400	53'800	54'200	-200
MAHARASHTRA	30	54'700	55'000	54'700	55'000	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	55'300	55'500	55'000	55'100	-400
KARNATAKA	29.5+	53'600	53'900	53'500	53'700	-200
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	54'500	55'000	53'500	54'000	-1'000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	54'200	54'800	54'200	54'600	-200
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

इस सप्ताह रुई बाजार में गिरावट वाला रुख देखने को मिला।

इस सप्ताह रुई बाजार में गिरावट वाला रुख देखने को मिला।

नॉर्थ ज़ोन के पंजाब राज्य में 50 रुपये, हरियाणा राज्य में 70 रुपये, और अपर राजस्थान राज्य में 70 रुपये प्रति मन तक की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं, सेंट्रल ज़ोन के मध्यप्रदेश राज्य में 200 रुपये की गिरावट रही, तथा महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में स्थिरता रही ।

साउथ ज़ोन के कर्नाटक, ओडिशा राज्य में 200-400 रुपये प्रति कैंडी की गिरावट आई, तथा तेलंगाना, आँध्रप्रदेश राज्य में 200-1,000 रुपये प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली।

बढ़ाएं अपना व्यापार

इंडस्ट्री से जुड़े 50 हज़ार से ज़्यादा लोगों तक पहुचाएं अपने व्यापार की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने व्यापार को बढ़ाने का

जानकारी के लिये संपर्क करें :-
+91-9111677775

तेलंगाना के आदिलाबाद में पहला कपास अनुसंधान केंद्र बनेगा

आदिलाबाद : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने आदिलाबाद जिले में कपास पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP) केंद्र स्थापित करने को मंजूरी दी है। यह तेलंगाना में पहला अनुसंधान केंद्र है और 2025 में समर्पित बजट आवंटन के साथ परिचालन शुरू करेगा।

राज्य में कपास का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक आदिलाबाद इस पहल से काफी लाभान्वित होगा। केंद्र का उद्देश्य उन्नत कपास बीज किस्मों के बारे में राष्ट्रीय स्तर पर जानकारी प्रदान करना, अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और वैज्ञानिक समुदाय को मजबूत करना है। यह नई दिल्ली में केंद्रीय कार्यालय के साथ सीधा समन्वय भी बनाए रखेगा।

यह केंद्र किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में काम करेगा, जो क्षेत्र के दौरे और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक खेती के तरीकों पर मार्गदर्शन प्रदान करेगा। यह उन्नत कृषि तकनीकों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाएगा और उत्पादकता और लाभप्रदता में सुधार करने में कृषक समुदाय का समर्थन करेगा।

संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौर में, तेलंगाना में कपास की खेती के लिए बड़ा क्षेत्र होने के बावजूद, मुख्य रूप से गुंटूर और नांदियाल जैसे आंध्र क्षेत्रों में अनुसंधान केंद्र स्थापित किए गए थे।

तेलंगाना में वर्तमान में लगभग 54 लाख एकड़ में कपास की खेती होती है, जिसमें से 8 लाख एकड़ जमीन पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले से आती है। जिले से कपास को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निर्यात किया जाता है। इसके विपरीत, आंध्र प्रदेश में लगभग 10 लाख एकड़ में कपास की खेती होती है, फिर भी अतीत में यहां अधिक शोध केंद्र आवंटित किए गए थे।

तेलंगाना के गठन के बाद, डॉ ई दत्तात्री के नेतृत्व में उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति (OUJAC) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और आदिलाबाद में शोध केंद्र की मांग करते हुए राज्य और केंद्रीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे। उनके प्रयासों के बाद, राज्य सरकार ने प्रस्ताव को मंजूरी दी और इसे केंद्र को भेज दिया, जिसके परिणामस्वरूप ICAR की मंजूरी मिल गई।

डॉ दत्तात्री ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शोध केंद्र की स्थापना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, खासकर आदिलाबाद में। "यह केंद्र राष्ट्रीय स्तर की कपास बीज किस्मों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा, बुनियादी ढांचे को बढ़ाएगा और वैज्ञानिक समुदाय को मजबूत करेगा। हमारी टीम ने दो साल से अधिक समय तक अथक परिश्रम किया है, याचिकाएँ प्रस्तुत की हैं और पार्टी लाइन से परे नेताओं से मुलाकात की है," उन्होंने कहा।

यह केंद्र आदिलाबाद में कपास की खेती को बदलने के लिए तैयार है, जिससे यह तेलंगाना में कपास उद्योग के लिए नवाचार और विकास का केंद्र बन जाएगा।

NEWS OF THE WEEK

आईसीएआर ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए तमिलनाडु में दो कपास अनुसंधान केन्द्रों के संचालन को मंजूरी दी।

हैदराबाद: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने तेलंगाना में दो अखिल भारतीय समन्वित कपास अनुसंधान परियोजना केन्द्र (एआईसीआरपी) के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

खेती के क्षेत्रफल में कमी: पंजाब में कपास का आयात पिछले वर्ष की तुलना में पांच गुना कम है ।

पंजाब : यह गिरावट खरीफ सीजन के दौरान कपास की खेती के रकबे में उल्लेखनीय गिरावट के बाद आई है, जो 2021 से लगातार कीटों के हमलों के कारण लगभग 95,000 हेक्टेयर के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर आ गई है।

तैयार कपास फसल को सँवारने और चुनाई के दौरान आसिफाबाद के किसान जूझ रहे है विभिन्न कठिनाइयाँ से

तेलंगाना : जबकि कपास की फसल कटाई के लिए तैयार है, कपास की बालियों को काटने के लिए खेतों में जाना जोखिम भरा काम बन गया है, क्योंकि एक से अधिक बाघ घात लगाए बैठे हैं

जलवायु, कीट और विकल्प कपास की खेती को बर्बाद कर रहे हैं

बठिंडा : पिछले एक दशक में पंजाब में कपास की खेती के तहत आने वाले क्षेत्र में तेजी से गिरावट आई है, जिसकी वजह अनियमित बारिश, बढ़ते मौसम के दौरान अत्यधिक तापमान, कीटों का प्रकोप और अधिक लाभदायक फसलों की ओर रुख है

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	02.12.24	03.12.24	04.12.24	05.12.24	06.12.24	07.12.2024
PUNJAB	600	1'000	1'000	1'000	1'000	1'000
HARYANA	6'000	6'500	6'000	6'000	6'000	6'000
UPPER RAJASTHAN	5'000	8'000	8'000	8'500	7'500	7'000
LOWER RAJASTHAN	6'000	6'400	5'600	5'500	5'500	5'500
NORTH ZONE	17'600	21'900	20'600	21'000	20'000	19'500
GUJARAT	27'000	24'000	24'000	26'000	24'000	25'000
MADHYA PRADESH	21'000	17'000	10'000	20'000	18'000	12'000
MAHARASHTRA	40'000	35'000	35'000	35'000	36'000	33'000
CENTRAL ZONE	88'000	76'000	69'000	81'000	78'000	70'000
KARNATAKA	16'000	15'000	16'000	16'000	17'000	15'000
ANDHRA PRADESH	8'000	8'000	8'000	8'000	10'000	8'000
TELANGANA	75'000	65'000	75'000	70'000	75'000	25'000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	99'000	88'000	99'000	94'000	1'02'000	48'000
ODISHA	800	900	1'000	1'000	800	1'000
TOTAL	2'05'400	1'86'800	1'24'150	1'00'200	2'00'800	1'38'500
ARRIVAL IN 170 Kg.						

NEWSLETTER

Saturday, 07 December 2024, Volume - 126

NORTH : **CENTRAL :** **SOUTH :** | **GOLD : 76655** **SILVER : 92453** **CRUD : 5724**

CAI and CCI work together to strengthen India's cotton industry

CAI and CCI work together to strengthen India's cotton industry: Collaboration promotes market stability, quality and global growth

CAI (Cotton Association of India) and CCI (Cotton Corporation of India) often work together to strengthen and promote the Indian cotton industry. Their partnership ensures better coordination between government and private stakeholders, benefiting farmers, traders and manufacturers alike. Here's how they align their efforts:

Collaboration areas

• **Market stability:** CCI intervenes in the market through procurement at the minimum support price (MSP) to stabilize cotton prices. CAI provides real-time market data, price trends and production forecasts that help CCI make informed decisions.

• **Policy Development:** CAI collects feedback from its members—farmers, ginners, and traders—and shares industry concerns with CCI. Together, they advocate for policies that ensure fair pricing, export competitiveness, and improved cotton quality.

COTTON ASSOCIATION OF INDIA
Established 1921

• **Quality Improvement Initiatives:** Both organizations promote awareness of better agricultural practices and advanced ginning techniques to enhance cotton quality. They jointly support programs to encourage sustainable and organic cotton production.

• **Cotton Trade and Export:** CAI plays a key role in providing export data and insights to help CCI formulate its cotton sales and export strategies. Both work to establish Indian cotton as a preferred choice in the global market.

• **Dispute Resolution and Networking:** CAI mediates disputes between stakeholders, while CCI ensures a balanced approach to maintain trust in the supply chain.
Jointly organized conferences, seminars, and trade fairs strengthen industry relationships and promote Indian cotton.

Why this collaboration matters. Ensures a coordinated approach to address industry challenges. Balances the interests of farmers, traders and manufacturers. Promotes India's global reputation as a leading cotton producer.

look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 07.12.2024			
ICE COTTON			
MONTH	02.12.24	06.12.24	WEEKLY CHANGE
MAR'25	71.93	71.49	-0.44
MAY'25	72.98	72.65	-0.33
JULY'25	73.93	73.57	-0.36
MCX (COTTON)			
JAN	55450	55630	180
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1525.5	1531	6
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2675	2734	59
JAN	2697	2763	66
FEB	2724	2790	66
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	84.70	84.69	-0.01
PAK (Pakistani Rupee)	277.706	277.964	0.258
CNY (Chinese yuan)	7.22736	7.27107	0.04371
BRAZIL (Real)	6.04101	6.09007	0.04906
AUSTRALIAN Dollar	1.53950	1.56446	0.02496
MALAYSIAN RINGGITS	4.45803	4.41905	-0.03898
COTLOOK "A" INDEX	82.25	81.35	-0.9
BRAZIL COTTON INDEX	66.41	67.43	1.02
USDA SPOT RATE	66.53	66.40	-0.13
MCX SPOT RATE	54460	54220	-240
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17400	17300	-100
GOLD ($)	2658.39	2654.90	-3.49
SILVER ($)	30.707	31.485	0.778
CRUDE ($)	68.66	67.17	-1.49

This week, mixed trends were seen in the international market.

Whereas there was a decline of 0.44 cents in March, 0.33 cents in May and 0.36 cents in July.

On the other hand, in the Indian market, cotton prices on MCX registered a rise of Rs. 180 in January.

On NCDEX, cotton prices increased by Rs. 06 per 20 kg, while the price of oil cake increased by Rs. 59 in December, Rs. 66 in January and Rs. 66 per quintal in February.

Talking about the cotton market of other countries, there was a decline in the Cotlook "A" index, USDA spot rate declined by 0.13 cents, MCX spot rate saw a decline of Rs. 240 per candy.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91116 77771

DATE: 07.12.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	02-12-2024		07-12-2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5'670	5'680	5'620	5'630	-50
HARYANA	27.5/28	5'660	5'660	5'590	5'590	-70
UPPER RAJASTHAN	28	5'660	5'680	5'590	5'610	-70
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54'000	54'400	54'200	54'400	0
MADHYA PRADESH	29	54'200	54'400	53'800	54'200	-200
MAHARASHTRA	30	54'700	55'000	54'700	55'000	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	55'300	55'500	55'000	55'100	-400
KARNATAKA	29.5+	53'600	53'900	53'500	53'700	-200
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	54'500	55'000	53'500	54'000	-1'000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	54'200	54'800	54'200	54'600	-200
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

This week, the cotton market witnessed a declining trend.

This week, the cotton market witnessed a declining trend.

North Zone's Punjab state witnessed a decline of Rs 50, Haryana state witnessed a decline of Rs 70, and Upper Rajasthan state witnessed a decline of up to Rs 70 per maund.

At the same time, Central Zone's Madhya Pradesh state witnessed a decline of Rs 200, while Maharashtra and Gujarat states remained stable.

South Zone's Karnataka, Odisha states witnessed a decline of Rs 200-400 per candy, and Telangana, Andhra Pradesh states witnessed a decline of Rs 200-1,000 per candy.

Grow your business now

Get every information about your business to more than 50 thousand people related to the industry. Get a golden opportunity to grow your business through us.

For more information, contact-

+91-9111677775

Telangana's first cotton research centre to come up in Adilabad

Adilabad: The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) has approved setting up of an All India Coordinated Research Project (AICRP) centre on cotton in Adilabad district. It is the first research centre in Telangana and will start operations in 2025 with dedicated budget allocation.

Adilabad, the second largest producer of cotton in the state, will benefit immensely from this initiative. The centre aims to provide national-level information on improved cotton seed varieties, enhance research infrastructure and strengthen the scientific community. It will also maintain direct coordination with the central office in New Delhi.

The centre will serve as an important resource for farmers, providing guidance on modern farming methods through field visits and training programmes. It will also raise awareness about advanced agricultural techniques and support the farming community in improving productivity and profitability.

During the combined Andhra Pradesh era, despite Telangana having a larger area for cotton cultivation, research centres were set up mainly in Andhra regions like Guntur and Nandyal.

Telangana currently has cotton cultivation on around 54 lakh acres, of which 8 lakh acres come from the erstwhile Adilabad district. Cotton from the district is exported to international markets. In contrast, Andhra Pradesh has cotton cultivation on around 10 lakh acres, yet more research centres were allotted here in the past.

After the formation of Telangana, activists of Osmania University Joint Action Committee (OUJAC) led by Dr E Dattatri staged protests and submitted memos to state and central officials demanding a research centre in Adilabad. Following their efforts, the state government approved the proposal and forwarded it to the Centre, resulting in ICAR approval.

Expressing gratitude, Dr Dattatri said the establishment of the research centre is a significant achievement for farmers, especially in Adilabad. “This centre will provide information on national-level cotton seed varieties, enhance infrastructure and strengthen the scientific community. Our team has worked tirelessly for over two years, submitting petitions and meeting leaders across party lines,” he said.

This centre is set to transform cotton cultivation in Adilabad, making it a hub of innovation and growth for the cotton industry in Telangana.

NEWS OF THE WEEK

ICAR approves operationalization of two cotton research centers in Tamil Nadu for the coming fiscal year .

Hyderabad: The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) has approved the creation of two All India Coordinated Cotton Research Project (AICRP) centers in Telangana.

Reduction in cultivated area: Cotton imports in Punjab are five times lower than last year .

Punjab: The decline comes after a significant fall in cotton cultivation area during the kharif season, which has fallen to an all-time low of around 95,000 hectares due to persistent pest attacks since 2021.

Farmers of Asifabad are facing various difficulties while preparing and picking the ripened cotton crop

Telangana: While the cotton crop is ready for harvesting, going to the fields to cut the cotton ears has become a risky job, as more than one tiger is lurking

Climate, pests and alternatives are ruining cotton farming

Bathinda: The area under cotton cultivation in Punjab has declined sharply in the last decade, due to erratic rainfall, extreme temperatures during the growing season, pest infestation and shift towards more profitable crops

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	02.12.24	03.12.24	04.12.24	05.12.24	06.12.24	07.12.2024
PUNJAB	600	1'000	1'000	1'000	1'000	1'000
HARYANA	6'000	6'500	6'000	6'000	6'000	6'000
UPPER RAJASTHAN	5'000	8'000	8'000	8'500	7'500	7'000
LOWER RAJASTHAN	6'000	6'400	5'600	5'500	5'500	5'500
NORTH ZONE	17'600	21'900	20'600	21'000	20'000	19'500
GUJARAT	27'000	24'000	24'000	26'000	24'000	25'000
MADHYA PRADESH	21'000	17'000	10'000	20'000	18'000	12'000
MAHARASHTRA	40'000	35'000	35'000	35'000	36'000	33'000
CENTRAL ZONE	88'000	76'000	69'000	81'000	78'000	70'000
KARNATAKA	16'000	15'000	16'000	16'000	17'000	15'000
ANDHRA PRADESH	8'000	8'000	8'000	8'000	10'000	8'000
TELANGANA	75'000	65'000	75'000	70'000	75'000	25'000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	99'000	88'000	99'000	94'000	1'02'000	48'000
ODISHA	800	900	1'000	1'000	800	1'000
TOTAL	2'05'400	1'86'800	1'24'150	1'00'200	2'00'800	1'38'500
ARRIVAL IN 170 Kg.						